सद्भावना का पैगाम देने निकले युवा शान्तिदूत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमति शीला दीक्षित ने ब्रह्माकुमारीज युवा प्रभाग द्वारा लगभग दो महीने तक चलने वाली 'उज्ज्वल भारत के लिए शांतिदूत युवा साइकिल यात्रा' के लांचिंग कार्यक्रम में उपस्थित दिल्ली एवं अन्य क्षेत्रों से पधारे गणमान्य व्यक्तियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही अच्छा कदम है जिससे भारत के प्रत्येक क्षेत्र में शांति एवं सद्भावना का संदेश चारों ओर फैलेगा। ब्रह्माकुमारीज़ का हर कार्यक्रम देश व कौम की एकता हेतु बेमिसाल भावना से होता है और इसीलिए मेरी यही कोशिश होती है कि मैं इसमें अवश्य भाग लूँ क्योंकि यहां मन की शांति के पैगाम के साथ-साथ व्यवहार का पैगाम भी प्रत्यक्ष रूप से दिया जाता है। अत: हमें पूरा विश्वास है कि यह युवा साइकिल यात्रा समस्त युवाओं के मार्गदर्शक के रूप में सिद्ध होगी और हमारा भारत पुन: अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर सकेगा।

नई दिल्ली। शांतिदूत युवा साइकिल यात्रा' के लांचिंग कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, दादी रतनमोहिनी, दादी रूकमणि, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.आशा तथा अन्य।

युवा मामला विभाग के सचिव राजीव गुप्ता ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किये जा रहे नोबल कार्य जैसे युवा चरित्र उत्थान, महिलाओं का सम्मान एवं उनकी सुरक्षा, शांति की पुन:स्थापना आदि की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय की यह आवश्यकता है। उन्होंने अपने विभाग की तरफ से ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा युवा विकास की दिशा में किये जा रहे समस्त अभियानों को भरपूर सहयोग देने की सहमति जताई।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यथार्थ रूप में भारत ही एक शांतिप्रिय देश है और इसीलिए भारत में शांति की स्थापना कराने का कार्य स्वयं परमपिता परमात्मा शिव गुप्त रूप से कर रहे हैं। इस कार्य के लिए युवा भाइयों को निमित्त बनाकर सम्पूर्ण विश्व में सदा शांति की स्थापना और पुन: 'लक्ष्मी नारायण' देवी देवताओं का राज्य, सतयुग की स्थापना भारत में करने हेतु ही इस साइकिल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी यही शुभभावना है कि सफलता तो हुई ही पड़ी है क्योंकि आपके मन में कल्याण की भावना है और परमात्मा आपके साथ है इसलिए आप थक नहीं सकते, आगे बढ़ते चलो, सफलता आपका जन्म सिद्ध अधिकार है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि आज श्रेष्ठ चरित्र का संकट चारों ओर खड़ा दिखाई दे रहा है। मीडिया का प्रयोग हमें चरित्र के सुधार कार्य में करना चाहिए। यह साइकिल यात्रा हमारे देश के समस्त युवाओं के जीवन को चरित्रवान बनाने में सहायक बने, यही हमारी शुभभावना है।

भारत स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की निदेशिका किरण मेहरा ने कहा कि विकारों और विकास में गहरा सम्बंध है, यह हमारे युवाओं और नेताओं को समझाना होगा। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ये युवा आशा की किरण हैं। अत: हमारी शुभभावना है कि ये बुराईयों और बाधाओं पर विजय प्राप्त करते हुए इस रैली को सफल बनायेंगे।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. चन्द्रिका ने इस साइकिल यात्रा के उद्देश्य को विस्तार से बताते हुए कहा कि युवा को युवा तक और युवाओं से देश तक यह ईश्वरीय ज्ञान देश के कोने-कोने में पहुंचाया जा सके, जिससे हमारा भारत फिर से सोने की चिड़िया होने का सम्मान प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर रंगारंग मूल्यनिष्ठ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सामूहिक राजयोग के अभ्यास द्वारा उपस्थित जनसमूह को गहरी शांति और आंतरिक शक्ति की अनुभूति कराई गई।

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए ब्र.कु.मृत्युंजय तथा ब्र.कु.कैलाश।

धर्मशाला (हि.प्र.)। जिला कारागार में कैदी भाई-बहनों को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.उमा। साथ हैं ब्र.कु.कमलेश।

बांकुरा। संत श्री सुबोध मुनि के सेवाकेन्द्र पधारने पर ब्र.कु. शेफाली, ब्र.कु.लक्ष्मी तथा अन्य समूह चित्र में।

भरतपुर। महाराज श्री महामण्डलेश्वर श्रीहरि चैतन्य पुरी कामवन आश्रम, ब्र.कु.कविता, नगर पालिका अध्यक्ष यतीश शर्मा तथा अन्य श्री जवाहर संस्कृति पशु मेले के उद्घाटन अवसर पर।

मलेशिया में समझाया तिलक व राखी का महत्व

पेनांग। माउण्ट आबू स्थित ज्ञानसरोवर की निदेशिका ब्र.कु.डॉ.निर्मला ने दो सप्ताह के मलेशिया प्रवास के दौरान पेनांग, कुचिंग, सारावाक, कोटा किनाबालु आदि अनेक नगरों में कार्यक्रमों की शुरूआत रक्षाबंधन उत्सव से की। उन्होंने रक्षा सूत्र बांधने की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए तिलक, आशीर्वाद व टोली का महत्व भी समझाया।

डॉ.निर्मला दीदी तथा अन्य आमंत्रित मेहमान मंचासीन हैं।

उनके कार्यक्रमों में सबसे महत्वपूर्ण था - मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम व भारत के 70 सेवाकेन्द्रों के निमित्त समर्पित भाई-बहनों का रिट्रीट कार्यक्रम।

दीदी निर्मला ने युवाओं से बाबा को दिये वायदों पर खरा उतरने के लिये किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा व्यक्तिगत रूप से की। सभी ने तमान सूरिया स्थित नये सेवाकेन्द्र के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। ''मेडिटेशन'' को ''मेडिकेशन'' के रूप में कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, इस पर तर्कसंगत चर्चा हुई।

एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम था ''स्त्री शक्ति - शांति की शक्ति ''। चर्चा परिचर्चा के इस संयोजन में दीदी निर्मला के अलावा ''सबाह वीमेन एक्शन रिसोर्स '' की अध्यक्षा विन्नी यी, स्वैक अध्यक्षा हजा बईया हाजी मेहमून, कोटा किनाबालू के सलाहकार बोर्ड की सदस्या दातुक नेन्सी आदि ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथियों में राज्यमंत्री अहमद अईद आदि शामिल थे।

अनेक आत्माओं पर गहरा प्रभाव छोड़ने वाले कार्यक्रमों में ''मेरा मंच, मेरा जीवन'' तथा ''मैं और मेरा मूल परिवार'' को केन्द्रबिन्दु बनाते हुए आयोजित रिट्रीट तथा योग भट्ठियां शामिल थे। पेनांग में नये सेवाकेन्द्र का शुभारंभ भी इस श्रृंखला का अंग था। भले ही भारी वर्षा होती रही लेकिन अनेक आत्माओं ने ''बेहतर स्वास्थ्य के लिए मानसिक भोजन'' और ''बाधाओं व समस्याओं से रहित जीवन'' जैसे विषयों पर भी दीदी निर्मला के सानिध्य में गहन चर्चा का लाभ उठाया। सभी ने कार्यक्रम को सर्व हिताय व लाभप्रद बताया। कार्यक्रमों में ग्लोबल अस्पताल की ब्र.कु.मीना, मनिपाल की ब्र.कु.सुजाता तथा ब्र.कु.रूपा की भागीदारी रही। सभी कार्यक्रमों में दीदी निर्मला ने इस बात पर जोर दिया कि योग एवं सकारात्मक चिन्तन से अनेक समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

मनाली। एस.डी.एम.विनय दिवान को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.संध्या।

वीरगंज-नेपाल। भारतीय महावाणिज्य दूत आशुतोश अग्रवाल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.रवीना।

इंदौर। म.प्र.उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन.के.मोदी, रोटरी इंटरनेशनल के गवर्नर नितिन डफरिया, ब्र.कु.आरती तथा अन्य युवा सायकिल यात्रा का उद्घाटन करते हुए।